

যঈফ ও জাল হাদিস

হাদিস নাম্বারঃ ৭৭৯

১/ বিবিধ

আরবী

إن المعروف لا يصلح إلا لذي دين، أولذي حسب، أولذي حلم
ضعيف جدا

رواه ابن عساكر (3 / 111 / 1) عن سليمان بن سلمة الحمصي: حدثنا منيع بن السري الحوازي: حدثنا عبد الله بن حميد المزني عن مريج بن مسروق الهوزني عن أبي زكريا عن أبي أمامة مرفوعا قلت: وهذا إسناد ساقط من دون أبي زكريا لم أعرفهم غير سليمان بن سلمة الحمصي وهو متهم بالكذب وهو الخبائري. وأما أبو زكريا فقد ترجمه ابن عساكر وسماه إياس بن زيد الخزاعي والد عبد الله بن أبي زكريا وقال: أدرك عمر بن الخطاب، وروى أن عمر وصفه بالرجل الصالح. والحديث أشار إليه السيوطي في " اللآلئ " (2 / 82) على أنه شاهد للحديث الذي قبله. ولا يجوز عندي الاستشهاد به لشدة ضعفه، كما قرره العلماء في " المصطلح " منهم السيوطي نفسه في " تدريب الراوي " وأورده في " الجامع الصغير " من رواية الطبراني وابن عساكر، فكشف المناوي عن حال إسناده فقال: " قال الهيثمي: فيه عند الطبراني سليمان بن سلمة الخبائري وهو متروك انتهى . فكان ينبغي للمصنف الإشارة لضعفه، واستيعاب مخرجه إشارة إلى اكتسابه بعض القوة، إذ منهم البيهقي، رواه باللفظ المزبور عن أبي أمامة وقال: في إسناده من جهل قلت: كثرة المخرجين للحديث لا تعطيه قوة إذا انتهت أسانيدهم إلى طريق واحدة،

فقد رأيت أن إسناده الطبراني يدور على الخبائري الذي في طريق ابن عساکر، والظاهر أن إسناده البيهقي ينتهي إليه أيضا بدليل قوله: " في إسناده من يجهل ، فإنهم فوق الخبائري عند ابن عساکر كما رأيت، وإن كان يحتمل أن يقال: إنه ليس بحتم أن يكون فيه الخبائري هذا، ولكنه عندي بعيد. والله أعلم

বাংলা

৭৭৯। ভালকর্ম সূষ্ঠরূপে সম্পন্ন হতে পারে একমাত্র দ্বীনদার ব্যক্তির বা আভিজাত্য কিংবা সহনশীলতার অধিকারীর।

হাদীছটি নিতান্তই দুর্বল।

এটি ইবনু আসাকির (৩/১১১/২) সুলায়মান ইবনু সালামাহ আল-হিমসী হতে তিনি মানী ইবনু সিররী আল-হাওয়ানী হতে তিনি আব্দুল্লাহ ইবনু হুমায়েদ আল-মুযানী হতে তিনি মারীজ ইবনু মাসরুক আল-হাওয়ানী হতে তিনি আবু যাকারিয়া হতে ... বর্ণনা করেছেন।

আমি (আলবানী) বলছিঃ সনদটি সাকেত। সুলায়মান আল-হিমসী ছাড়া আবু যাকারিয়ার নীচের কোন বর্ণনাকারীকে আমি চিনি না। তিনি (সুলায়মান) মিথ্যার দোষে দোষী, তিনি হচ্ছেন আল-খাবায়েরী।

অত্যন্ত দুর্বল হওয়ার কারণে আলোচ্য হাদীছটি পূর্বেরটির শাহেদ হতে পারে না। হাদীছ শাস্ত্রের আলেমদের নিকট এ বিধানই চিরধার্য। যেমনটি সুযুতী নিজে "তাদরীবুর রাবী" গ্রন্থে উল্লেখ করেছেন। তা সত্ত্বেও তিনি "আল-জামেউস সাগীর" গ্রন্থে হাদীছটি উল্লেখ করেছেন। এ কারণে তার ভাষ্যকার মানবী তার সমালোচনা করে বলেছেন, হায়ছামী বলেনঃ সুলায়মান আল-খাবায়ের মাতরুক। লেখকের উচিত ছিল দুর্বলতার দিকে ইঙ্গিত করা।

আমি (আলবানী) বলছিঃ একই সনদে হাদীছের উল্লেখকারীর সংখ্যা বেশী হলে, তাতে হাদীছটি শক্তিশালী হয়ে যায় না। কারণ এ আল-খাবায়ের এ হাদীছটির কেন্দ্র বিন্দু।

হাদিসের মান: যঈফ (Dai'f) পুনঃনিরীক্ষিত

পাবলিশারঃ তাওহীদ পাবলিকেশন

🔗 Link — <https://www.hadithbd.com/hadith/link/?id=71658>

📌 হাদিসবিডির প্রজেক্টে অনুদান দিন